

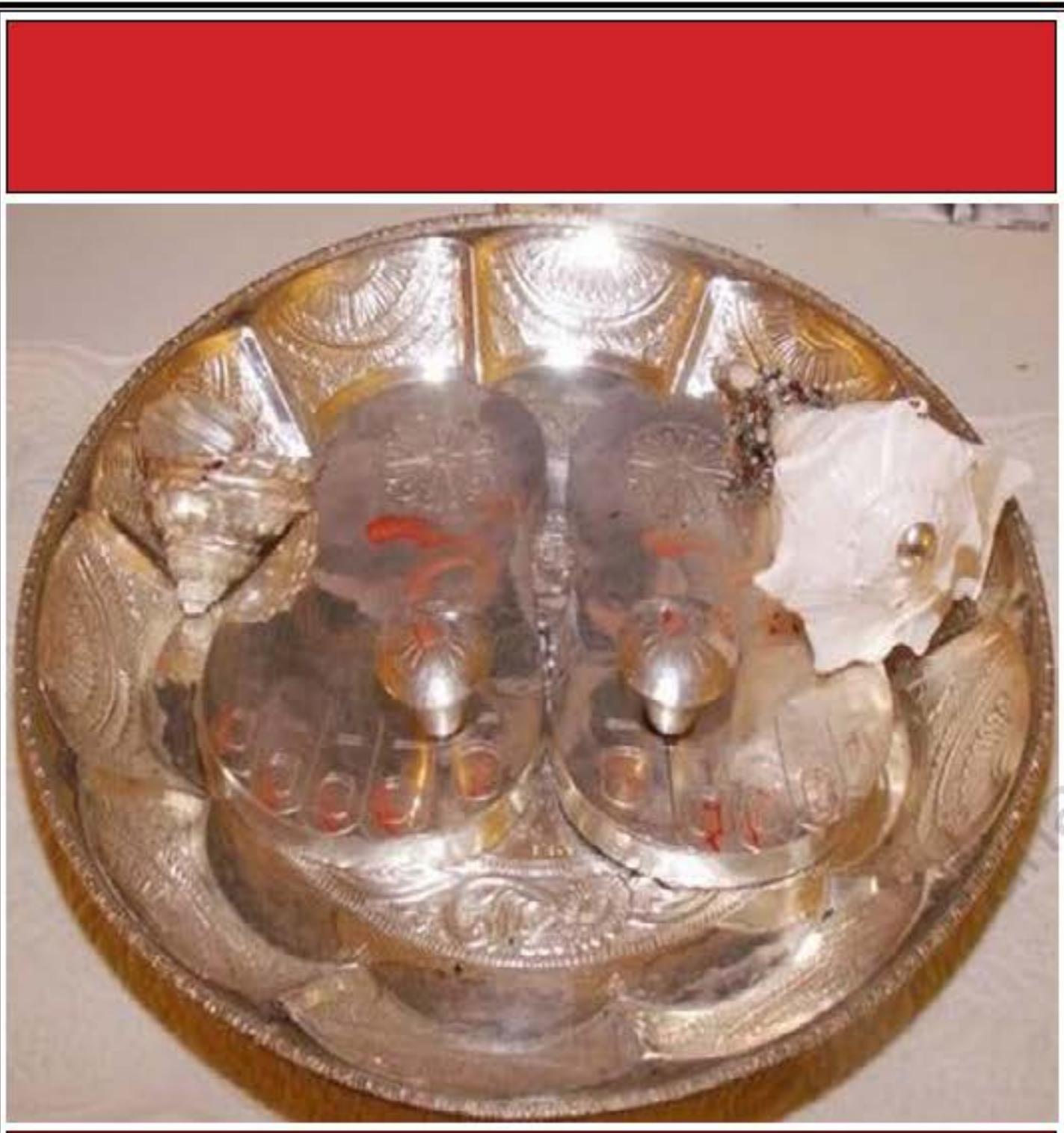
पूर्ण आनन्द लहरि



पुस्तकः - ५

SEP - OCT 2017

दलां - ८



தெளிவு குருவின் திருமேனி காண்டல்
தெளிவு குருவின் திருநாமம் செப்பல்
தெளிவு குருவின் திருவார்த்தை கேட்டல்
தெளிவு குருவரு சிந்தித்தல் தானே!



॥ ஶ्रீ தூர்யா ஶ்ரீ பாடுகா பூஜ்யாமி தர்ப்யாமி நமः ॥

Table of contents

| # | Topics | Page |
|----|--|------|
| 1 | Introduction | 5 |
| 2 | dEvi AshtAngam | 6 |
| 3 | kulasundarl nityA - mantra japa krama | 9 |
| 3 | kulasundarl nityA - AvaraNa pUjA krama | 10 |
| 4 | nityA nityA - mantra japa krama | 15 |
| 5 | nityA nityA - AvaraNa pUjA krama | 16 |
| 6 | shrl kAlarAtrI mantra japa kramA | 20 |
| 7 | shrl kAlarAtrI AvaraNa pUjA krama | 21 |
| 8 | shrl mahAgaurI mantra japa krama | 24 |
| 9 | shrl mahAgaurI AvaraNa pUjA krama | 25 |
| 10 | shrl siddhidAtrI mantra japa krama | 28 |
| 11 | shrl siddhidAtrI AvaraNa pUjA krama | 29 |

Introduction

॥ शिवादि श्री गुरुभ्यो नमः ॥



e started the tithi nityA vidhAnam series in May. The tithi nityA dEvis form part of the eighth AvaraNa of lalitA mahAtripurasundari and they are the keepers of the kAlacakrA. They are the reason for the dimension of time and the mode to transcend it as well.

In the last issue, we covered the fifteenth and eighth nityA dEvIs - shivadUti (shukla pakSha saptami and kRuShnA pakSha navami) and tvaritA (shukla pakSha aShTami and kRuShnA pakSha ashTami).

In this issue, we will be covering the next two nityA dEvis - kulasundarl (shukla pakSha navami and kRuShnA pakSha saptami) and nityA (shukla pakSha dashami and kRuShnA pakSha ShaShTi). The mantra japa krama, AvaraNa pUjA kramA, and the mAtrukA vaibhava nAmAvali for kulasundarl and nityA are included in this issue.

We started the navadurgA series in July with the idea of completing the vidhAnams for all the nava durgAs before the navarAtri so that upAsakAs can benefit from this and perform navadurgA pUjA during this navarAtri.

We covered the first six durgAs already and in this issue, we have covered mantra japa and AvaraNa pUjA kramAs for kAlarAtrI, mahAgaurI, and siddhidAtrI. With this we have completed the navadurgA series. The mantra and upAsana kramA for these dEvatAs were found in handwritten

manuscripts from Kashmir. Surrendering to the holy feet of the Guru's for revealing these treasures.

vishEsha dinAs this month:

1. Sharad NavarAtri begins: 20 Sep (USA); 21 Sep (India)
2. durgAshTami : 28 Sep (USA/India)
3. mahAnavami: 29 Sep (USA/India)
4. vijaya dashami : 30 Sep (USA/India)
5. naraka caturdashi: 18 Oct (USA/India)

Wishing you all a blessing SharadA navarAtri.

Lalithai vEdam sarvam.

Surrendering to the holy pAdukAs of Shri Guru,

प्रकाशाम्बा समेत प्रकाशानन्दनाथ

देवी मान अष्टाङ्गम्

श्री आदिगुरोः परशिवस्य आज्ञया प्रवर्तमान देवीमानेन षडित्रंशत् तत्वात्मक सकल प्रपञ्च सृष्टि स्थिति संहार तिरोधान अनुग्रह कारिण्याः पराशक्तेः ऊर्ध्व भूविभ्रमे नं घ्राण तत्व महाकल्पे दं चक्षुस्तत्व कल्पे थं त्वक् तत्व महायुगे खं सदाशिव तत्व युगे दं चक्षु तत्व परिवृतौ डं माया तत्व वर्षे – श्री ललितात्रिपुरसुन्दरीपराभट्टारिका प्रसादसिद्ध्यर्थं यथा शक्ति (जप क्रमं) सपर्याक्रमम् निर्वतयिष्ये ।

| | SEP 21 | SEP 22 | SEP 23 | SEP 24 |
|---------------|-----------------|-----------------|------------------|------------------|
| मासे | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति |
| तत्व दिवसे | अं शिव | कं शक्ति | खं सदाशिव | गं ईश्वर |
| दिन नित्यायां | ओं सर्वमङ्गला | ओं ज्वालामालिनि | अं चिन्ना | अं चिन्ना |
| वासरे | प्रकाशानन्दनाथ | विमर्शानन्दनाथ | आनन्दानन्दनाथ | ज्ञानानन्दनाथ |
| घटिकोदये | च - कार | त - कार | य - कार | अ - कार |
| | SEP 25 | SEP 26 | SEP 27 | SEP 28 |
| मासे | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति |
| तत्व दिवसे | धं सुद्धविद्या | डं माया | चं कला | छं अविद्या |
| दिन नित्यायां | ओं ज्वालामालिनि | ओं सर्वमङ्गला | ऐं विजया | एं नीलपताका |
| वासरे | सत्यानन्दनाथ | पूर्णानन्दनाथ | स्वभावाभानन्दनाथ | प्रतिभानन्दनाथ |
| घटिकोदये | ए - कार | च - कार | त - कार | य - कार |
| | SEP 29 | SEP 30 | OCT 1 | OCT 2 |
| मासे | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति |
| तत्व दिवसे | जं राग | झं काल | जं नियति | टं पुरुष |
| दिन नित्यायां | लं नित्या | लं कुलसुन्दरि | ऋं त्वरिता | ऋं शिवदूति |
| वासरे | सुभगानन्दनाथ | प्रकाशानन्दनाथ | विमर्शानन्दनाथ | आनन्दानन्दनाथ |
| घटिकोदये | अ - कार | ए - कार | च - कार | त - कार |
| | OCT 3 | OCT 4 | OCT 5 | OCT 6 |
| मासे | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति |
| तत्व दिवसे | ठं पकृति | डं अहंकार | ढं बुद्धि | णं मनस् |
| दिन नित्यायां | ऊं वज्रेश्वरि | उं वह्निवासिनि | ईं भैरुण्डा | इं नित्यक्लिन्ना |
| वासरे | ज्ञानानन्दनाथ | सत्यानन्दनाथ | पूर्णानन्दनाथ | स्वभावाभानन्दनाथ |
| घटिकोदये | य - कार | अ - कार | ए - कार | च - कार |

| | OCT 7 | OCT 8 | OCT 9 | OCT 10 |
|---------------|------------------|----------------|----------------|-----------------|
| मासे | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति |
| तत्व दिवसे | तं श्रोत्र | थं त्वक् | दं चक्षुः | धं जिह्वा |
| दिन नित्यायां | आं भगमालिनि | अं कामेश्वरी | अं कामेश्वरी | आं भगमालिनि |
| वासरे | प्रतिभानन्दनाथ | सुभगानन्दनाथ | प्रकाशानन्दनाथ | विमर्शानन्दनाथ |
| घटिकोदये | त - कार | य - कार | अ - कार | ए - कार |
| | OCT 11 | OCT 12 | OCT 13 | OCT 14 |
| मासे | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति |
| तत्व दिवसे | नं घ्राण | पं वाक् | फं पाणि | बं पाद |
| दिन नित्यायां | इं नित्यक्लिन्ना | ईं भैरुण्डा | उं वह्निवासिनि | ऊं वज्रेश्वरि |
| वासरे | आनन्दानन्दनाथ | ज्ञानानन्दनाथ | सत्यानन्दनाथ | पूर्णानन्दनाथ |
| घटिकोदये | च - कार | त - कार | य - कार | अ - कार |
| | OCT 15 | OCT 16 | OCT 17 | OCT 18 |
| मासे | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति |
| तत्व दिवसे | भं पायु | मं उपस्थ | र्यं शब्द | रं स्पर्श |
| दिन नित्यायां | ऋं शिवदूति | ऋं त्वरिता | लं कुलसुन्दरि | लं नित्या |
| वासरे | स्वभावाभानन्दनाथ | प्रतिभानन्दनाथ | सुभगानन्दनाथ | प्रकाशानन्दनाथ |
| घटिकोदये | ए - कार | च - कार | त - कार | य - कार |
| | OCT 19 | OCT 20 | OCT 21 | OCT 22 |
| मासे | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति | ॐ प्रीति |
| तत्व दिवसे | लं रूप | वं रस | शं गन्ध | षं आकाश |
| दिन नित्यायां | एं नीलपताका | ऐं विजया | ओं सर्वमङ्गला | ओं ज्वालामालिनि |
| वासरे | विमर्शानन्दनाथ | आनन्दानन्दनाथ | ज्ञानानन्दनाथ | सत्यानन्दनाथ |
| घटिकोदये | अ - कार | ए - कार | च - कार | त - कार |

देवी मान अष्टाङ्गम्

श्री आदिगुरोः परशिवस्य आज्ञया प्रवर्तमान देवीमानेन षडित्रंशत् तत्वात्मक सकल प्रपञ्च सृष्टि स्थिति संहार तिरोधान अनुग्रह कारिण्याः पराशक्तेः ऊर्ध्व भूविभ्रमे नं घ्राण तत्व महाकल्पे दं चक्षुस्तत्व कल्पे थं त्वक् तत्व महायुगे खं सदाशिव तत्व युगे दं चक्षु तत्व परिवृतौ डं माया तत्व वर्षे – श्री ललितात्रिपुरसुन्दरीपराभट्टारिका प्रसादसिद्ध्यर्थं यथा शक्ति (जप क्रमं) सपर्याक्रमम् निर्वतयिष्ये ।



॥ श्री कुलसुन्दरी नित्या श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ॥

श्री कुलसुन्दरी नित्या महामन्त्र जप क्रमः

अस्व श्री कुलसुन्दरी नित्या महामन्त्रस्य ।
दण्डिणामूर्त्ति ऋषिः । पञ्चिः छदः । कुलसुन्दरी देवता ।
ऐं बीजः । सौः शक्तिः । कली कीलकं ।

श्री कुलसुन्दरी नित्या महामन्त्र पुसाद सिद्ध्यर्थं जपे विनियोगः
मूलैन त्रिः व्यापकं ।

कर नमस्करः

आं अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ।
ईं तजनीभ्यां नमः ।
ऊं मथवमाभ्यां नमः ।
ऐं आनामिकाभ्यां नमः ।
ओं कनिष्ठिकाभ्यां नमः ।
ओः करसलकरपृष्ठाभ्यां नमः ।

हृष्ट नमस्करः

आं हृदयाव नमः ।
ईं शिरसौ स्वाहा ।
ऊं शिखावै वषट् ।
ऐं कवचाव हुं ।
ओं नैत्रवाय वौषट् ।
ओः अस्त्राव फट् ।

ॐ भूर्भुवसुवर्णं इति दिविमोगः ।

लौहितः

लौहिता लौहिताकारश्चक्षिवृद्धनिषेविताम् ।
लौहितशुक्मूषासालैपना षष्मुखाम्बुजाम् ॥
प्रतिवक्ना विनवर्ना तथा चाठस्मितान्विताम् ।
अनर्घरज्ञविदितमाणिक्वमुदुटीज्ञवलाम् ॥
ताटद्व्ल्लारकैवरशनानुपूर्णज्ञवलाम् ॥
रजस्तत्त्वक सीमिन्नलसड्डशःस्थला शुभाम् ॥
काठप्पान दूपसमानुरुप्तिश्च ।
भुजैर्बद्धिर्वृक्षं सर्वैश्चीं सर्ववाच्यीम् ॥
पवालाशुसर्जं पर्च कुण्डिका रजनिर्मिताम् ।
रजपूर्षं तु चक्रं लुक्कीं व्याख्यानमुदिकाम् ॥
दद्यानां दोषेणैवमिः पुस्तकं चाठपीत्यलम् ।
हैमी च लैखिनी ऊमाला कम्ब वरं भुजैः ॥
अभितः स्तूयमार्न च दैवगायविकिन्नरैः ॥
वश्यश्चसदैवर्षिसिद्धविश्वायवदिषिः ॥

प्रथमशूलः

लं पृथिव्यात्मिकावै गर्वं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकावै पुष्पाणि कल्पयामि ।
वं वाय्वात्मिकावै धर्षं कल्पयामि ।
रं आन्वात्मिकावै दौर्पं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकावै अमृतं महानैवैर्त कल्पयामि ।
सं सर्वात्मिकावै ताम्बूलादि समस्तौपचारान् कल्पयामि ।

लं पृथिव्यात्मिकावै गर्वं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकावै पुष्पाणि कल्पयामि ।
वं वाय्वात्मिकावै धर्षं कल्पयामि ।

श्री कुलसुन्दरी नित्या आवरण पूजा क्रमः ।

पीठ पूजा

३० मण्डुकादि परतत्वाय नमः ।

पीठ पूजा

३० हीं जयायै नमः ।

३० हीं विजयायै नमः ।

३० हीं अजितायै नमः ।

३० हीं अपराजितायै नमः ।

३० हीं नित्यायै नमः ।

३० हीं विलासिन्यै नमः ।

३० हीं दोग्ध्यै नमः ।

३० हीं अधोरायै नमः ।

३० हीं मङ्गलायै नमः ।

३० हीं श्री भूवनेश्वर्यै नमः ।

श्री कुलसुन्दरी नित्या आवहनम्

लोहितां लोहिताकारशक्तिवृद्धिषेविताम् ।

लोहितांशुकभूषासगलेपनां षण्मुखाम्बुजाम् ॥

प्रतिवक्त्रां त्रिनयनां तथा चारुस्मितान्विताम् ।

अनघरलघटितमाणिक्यमुकुटोज्ज्वलाम् ॥

ताटङ्गहारके युरशनानुपुरोज्ज्वलाम् ।

रत्नस्तबकसंभिन्नलसद्धक्षः स्थलां शुभाम् ॥

कारुण्यानन्त्परमामरुणाक्षजविष्णवाम् ।

भुजैर्द्वदशभिर्युक्तां सर्वशौं सर्ववाञ्छीम् ॥

प्रवालाक्षसर्जं पद्मं कृषिकां रन्निर्मिताम् ।

रत्नपूर्णं तु चपकं लुङ्गं व्याख्यानमुद्दिकाम् ॥

दधानां दक्षिणैर्वामैः पुस्तकं चारुणात्पलम् ।

हैमी च लैखिनीं रत्नमालां कम्बु वरं भुजैः ॥

अभितः स्तूयमानं च देवगन्धर्वकिन्नरैः ।

यद्धराक्षसदर्वर्षिसद्धविद्याधरादिभिः ॥

लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्या ध्यायामि आवाहयामि नमः । - **आवाहन मुद्रा** प्रदर्शय ।

लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्या स्थापिता भव । - **स्थापण मुद्रा** प्रदर्शय ।

लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्या संस्थापिता भव । - **संस्थित मुद्रा** प्रदर्शय ।

लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्या सन्निरुद्धो भव । - **सन्निरुद्ध मुद्रा** प्रदर्शय ।

लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्या सम्मुखी भव । - **सम्मुखी मुद्रा** प्रदर्शय ।

लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्या श्री पादुकां पूजयामि नमः । - **अवकुण्ठन मुद्रा** प्रदर्शय ।

लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्या श्री पादुकां पूजयामि नमः । - **वन्दन धेनु योनि मुद्राज्ञश्च प्रदर्शय ।**

३० जय जय जगन्माता यावत् पूजावसानकं ।
तावत् त्वं प्रीति भावेन चक्रे सन्निधिं कुरु ॥

लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । आसनं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । पादयोः पाद्यं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । हस्तयोः अर्ध्यं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । मुखे आचमनीयं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । स्नानानन्तरं आचमनीयं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । वस्त्राणि कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । आभरणानि कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । दिव्यपरिमळं गर्वं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । गन्धस्योउपरि हरिद्रा कुङ्गर्मं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । पुष्टाक्षतान् कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । घूपं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । दीपं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । नैवेद्यं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । सुगन्ध ताम्बलं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । कर्पूर नीराजनं कल्पयामि नमः ।
लृं ऐं कलीं सौः लृं । - श्री कुलसुन्दरी नित्यायै नमः । प्रदक्षिणं नमस्कारान् कल्पयामि नमः ।

संविन्मये परे देवि परामृत रुचि प्रिये ।
अनुज्ञां कुलसुन्दरी देहि परिवार्चनाय मे ॥

षड्ङ्ग तर्पणम्

आं हृदयाय नमः । हृदय शक्ति श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः । ईं शिरसे स्वाहा । शिरो शक्ति श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः । ऊं शिखायै वृष्ट । शिखा शक्ति श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः । ऐं कवचाय हुं । कवच शक्ति श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः । औं नैव्रत्याय वृष्ट । नैव शक्ति श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः । अः अस्त्राय फट् । अस्त्र शक्ति श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।

लयाङ्ग तर्पणम्

लं ऐं कलीं सौः लं - श्री कुलसुन्दरी नित्या श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः । (१० वारम्)

प्रथमावरणम्

(४) ऐं कलीं सौः भाषायै नमः । भाषा श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।
(४) ऐं कलीं सौः सरस्वत्यै नमः । सरस्वती श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।
(४) ऐं कलीं सौः वाण्यै नमः । वाणी श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।
(४) ऐं कलीं सौः परायै नमः । परा श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।
(४) ऐं कलीं सौः बद्रस्त्रपायै नमः । बद्रस्त्रपा श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।
(४) ऐं कलीं सौः चित्रस्त्रपायै नमः । चित्रस्त्रपा श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।
(४) ऐं कलीं सौः रस्यायै नमः । रस्या श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० एता: प्रथमावरण देवता: साङ्गः सायुधः सशक्तिका: सवाहना: सपरिवारा: सर्वोपचारैः सम्पूजिताः सन्तर्पिताः सन्तुष्टाः सन्तु नमः ।

लं ऐं कलीं सौः लं - श्री कुलसुन्दरी नित्या श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः । (३ वारम्)

अभीष्टसिद्धिं मे देहि शरणागत वत्सले । भक्त्या समर्पये तु भूयं प्रथमावरणार्चनम् ॥

अनेन तृतीयावरणार्चनेन श्री कुलसुन्दरी नित्या प्रीयथाम् ।

(४) ऐं कलीं सौः आं ब्रह्मणे नमः । ब्रह्म श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।
(४) ऐं कलीं सौः हीं अनन्ताय नमः । अनन्त श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।

(४) ऐं कलीं सौः नियतये नमः । नियति श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।
(४) ऐं कलीं सौः कालाय नमः । काल श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः ।

३० एता: तृतीयावरण देवता: साङ्गः सायुधः सशक्तिका: सवाहना: सपरिवारा: सर्वोपचारैः सम्पूजिताः सन्तर्पिताः सन्तुष्टाः सन्तु नमः ।

लं ऐं कलीं सौः लं - श्री कुलसुन्दरी नित्या श्री पादुकां पूजयामि तर्पयामि नमः । (३ वारम्)

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्धं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पुष्पाणि पूजयामि ।

कुलसुन्दरी नित्या मातृका वैभव अर्चना -

(४) अं बाला श्री पादुकां पूजयामि नमः ।

(४) आं उमा श्री पादुकां पूजयामि नमः ।

(४) इं भैरवी श्री पादुकां पूजयामि नमः ।

(४) इं शान्ता श्री पादुकां पूजयामि नमः ।

(४) उं त्रिपुरा श्री पादुकां पूजयामि नमः ।

(४) ऊं त्रिपुरेश्वरी श्री पादुकां पूजयामि नमः ।

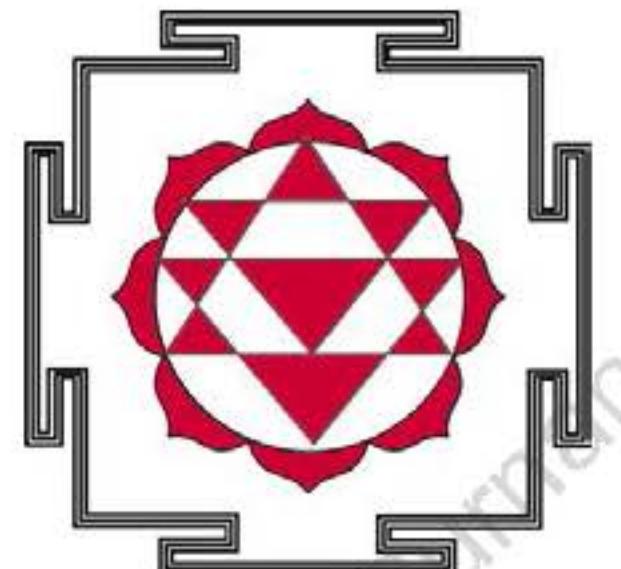
(४) ऋं आहंसा श्री पादुकां पूजयामि नमः ।

(४) ऋं त्रिमिस्त्री श्री पादुकां पूजयामि नमः ।

(४) लं भास्त्रवा श्री पादुकां पूजयामि नमः ।

(४) डं पीयुक्ता श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (५) ढं वाजिजिह्वा॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (६) णं स्माधारा॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (७) ठं इरमेता॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (८) थं वियुच्छतज्ञी॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (९) दं सिष्टोक्षी॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (१०) षं एकपितौर्हिता॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (११) नं सदा॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (१२) षं कापाली॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (१३) ऊं वैष्णा॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (१४) वं वैताली॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (१५) थं शूरसैवनमस्कृता॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (१६) मं स्पृष्टा॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (१७) थं स्पृष्टपदा॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (१८) रं शाना॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (१९) लं लिप्तना॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (२०) वं दैशधारिणी॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (२१) शं सर्वास्था॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (२२) वं निगरस्था॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (२३) सं आरम्भा॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (२४) हं धाववाहिणी॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (२५) ळं धारती॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।
 (२६) क्षं धास्वरा॑ श्री पादुका॑ पूजयामि नमः ।

यं वाख्यातिकार्यं धैर्यं कल्पयामि ।
 रं अग्न्यातिकार्यं दीर्घं कल्पयामि ।
 वं अमृतातिकार्यं अमृतं निर्वेदयामि ।
 सं सर्वातिकार्यं तामूलादि॒ समस्तोपचारान्॒ समर्पयामि ।



॥ श्री नित्या नित्या श्री पादुका॑ पूजयामि तर्पयामि नमः ॥

श्री नित्या नित्या महामन्त्र जप क्रमः ।

अस्य श्री नित्या नित्या महामन्त्रस्य ।
दक्षिणामूर्ति ऋषिः । पद्मः छन्दः । नित्या नित्या देवता ।
ऐं बीजं । ॐ शक्तिः । ईं कीलकं ।

श्री नित्या नित्या महामन्त्र प्रसाद सिद्ध्यर्थं जपे विनियोगः ।

कर न्यासः

हसां अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ।
हसीं तज्जनीभ्यां नमः ।
हसं मध्यमाभ्यां नमः ।
हसैं अनामिकाभ्यां नमः ।
हसौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः ।
हसः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः ।

अङ्ग न्यासः

हसां हृदयाय नमः ।
हसीं शिरसे स्वाहा ।
हसैं शिखायै वषट् ।
हसैं कवचाय हुं ।
हसौं नैन्नत्रयाय वौषट् ।
हसः अस्त्राय फट् ।
3० भूर्भुवसुवरों इति दिग्विमोगः ।

ध्यानम्

उद्यद्वास्करविम्बाभां माणिक्यमुकुटोज्ज्वलाम् ।
पद्मरागकृताकल्पं अरुणाङ्कशधारिणीम् ॥
चारुस्मितलसद्वक्त्र षट्सरोजविराजिताम् ।
प्रतिवक्त्रं निनयनां भुजैर्द्वादशभिर्युताम् ॥
पाशाक्षणपुण्ड्रेभुचापखेटत्रिशूलकान् ।
वरं वार्मेदशानां चाप्यङ्कुशं पुस्तकं तथा ॥
पुष्पेषु मण्डलाग्रश्च कपालमभयं तथा ।
दधानां दक्षिणैर्हस्तैर्थ्यायैदेवीमनन्यथीः ॥

पञ्चपूजा

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्धं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पुष्पाणि कल्पयामि ।
यं वाय्वात्मिकायै धूपं कल्पयामि ।
रं अग्न्यात्मिकायै दीपं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं कल्पयामि ।
सं सर्वात्मिकायै ताम्बूलादि समस्तोपचारान् कल्पयामि ।

मूर्लं

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं

अङ्ग न्यासः

हसां हृदयाय नमः ।
हसीं शिरसे स्वाहा ।
हसैं शिखायै वषट् ।
हसैं कवचाय हुं ।
हसौं नैन्नत्रयाय वौषट् ।
हसः अस्त्राय फट् ।
3० भूर्भुवसुवरों इति दिग्विमोगः ।

ध्यानम्

उद्यद्वास्करविम्बाभां माणिक्यमुकुटोज्ज्वलाम् ।
पद्मरागकृताकल्पं अरुणाङ्कशधारिणीम् ॥
चारुस्मितलसद्वक्त्र षट्सरोजविराजिताम् ।
प्रतिवक्त्रं निनयनां भुजैर्द्वादशभिर्युताम् ॥
पाशाक्षणपुण्ड्रेभुचापखेटत्रिशूलकान् ।
वरं वार्मेदशानां चाप्यङ्कुशं पुस्तकं तथा ॥
पुष्पेषु मण्डलाग्रश्च कपालमभयं तथा ।
दधानां दक्षिणैर्हस्तैर्थ्यायैदेवीमनन्यथीः ॥

पञ्चपूजा

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्धं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पुष्पाणि कल्पयामि ।
यं वाय्वात्मिकायै धूपं कल्पयामि ।
रं अग्न्यात्मिकायै दीपं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं कल्पयामि ।
सं सर्वात्मिकायै ताम्बूलादि समस्तोपचारान् कल्पयामि ।

श्री नित्या नित्या आवरण पूजा क्रमः ।

पीठ पूजा

3० मण्डूकादि परतत्वाय नमः ।

पीठ पूजा

3० ह्रीं जयायै नमः ।
3० ह्रीं विजयायै नमः ।
3० ह्रीं अजितायै नमः ।
3० ह्रीं अपराजितायै नमः ।
3० ह्रीं नित्यायै नमः ।
3० ह्रीं विलासिन्यै नमः ।
3० ह्रीं दोषायै नमः ।
3० ह्रीं अघोरायै नमः ।
3० ह्रीं मङ्गलायै नमः ।
3० ह्रीं श्रीं भुवनेश्वर्यै नमः ।

श्री त्वरिता नित्या आवाहनम्

श्यामवर्णं शुभाकरां नवयैवनश्चोभिनीम् ।
द्विद्विक्माऽदृष्टजागैः कल्पिताभरणोज्ज्वलाम् ॥
ताटङ्कमङ्गदं तद्वद्रशनानुपरान्वितैः ।
विप्रक्षत्रियविटशुद्गजातिर्भिर्भीमविग्रहैः ॥
पल्लवांशुकसंसर्वीतां शिखिपुच्छकृतैः शुभैः ।
वलयैर्भूषितभूजां माणिक्यमुकुटोज्ज्वलाम् ॥
बहिर्बहकतापौडां तच्छत्रां तत्पतकिनीम् ।
गुञ्जागुणलसद्वक्षः कुचकुङ्कममण्डनाम् ॥
त्रिनेत्रां चारुवदनां मन्दस्मितमुखाम्बुजाम् ।
पाशाङ्कशवराभीतिलसद्बुजचतुष्ट्याम् ॥

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्या ध्यायामि आवाहयामि नमः । – आवाहनं मुद्रां प्रदर्शय ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्या स्थापिता भव । – स्थापणं मुद्रां प्रदर्शय ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्या संस्थितो भव । – संस्थितं मुद्रां प्रदर्शय ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्या सन्निरुद्धो भव । – सन्निरुद्धं मुद्रां प्रदर्शय ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्या सम्मुखी भव । – सम्मुखीं मुद्रां प्रदर्शय ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्या अवकुण्ठितो भव । – अवकुण्ठनं मुद्रां प्रदर्शय ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्या श्री पादुकां पूजयामि नमः । – वन्दनं धेनुं योनि मुद्राङ्कश्च प्रदर्शय ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । आसनं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । पादयोः पादं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । हस्तयोः अर्धं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । मुखे आचमनीयं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । शुद्धोदक स्नानं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । स्नानानन्तरं आचमनीयं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । वस्त्राणि कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । आभरणानि कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । दिव्यपरिमळं गन्धं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । गच्छस्योऽपरि हरिद्रा कुङ्कमं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । पुष्पाक्षतान् कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । धूपं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । दीपं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । नैवेद्यं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । सुगन्धं ताम्बूलं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । कर्पूरं नीराज्जनं कल्पयामि नमः ।

लं हसकलरडैं हसकलरडीं हसकलरडौः लं । श्री नित्या नित्यायै नमः । प्रदक्षिणं नमस्कारान् कल्पयामि नमः ।

सन्विन्मये परे देवीं परामृतं सुचि प्रिये ।
अनुजां त्वरितां देहि परिवार्चनायम् मे ॥

१८ । चं श्रीमवसना श्री पादुकां पूजयामि नमः ।
 १९ । झं एकवसना श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 २० । वं बद्धाश्रा श्री पादुकां पूजयामि नमः ।
 २१ । ठं कलपालमालिनी श्री पादुकां पूजयामि नमः ।
 २२ । ठं अष्टदशरा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 २३ । ठं अनुशारा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 २४ । वं दहूडसना श्री पादुकां पूजयामि नमः ।
 २५ । गं चला श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 २६ । तं ज्ञानी श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 २७ । अं ज्ञानिनी श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 २८ । दं ज्ञानिनी श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 २९ । अं स्मा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३० । नं ब्रह्माण्डपालितभूजा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३१ । पं विष्णुमाना श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३२ । फं चतुर्भुजा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३३ । वं अश्वददधूजा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३४ । खं श्रीगा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३५ । मं विचित्रा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३६ । मं विज्ञविष्णी श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३७ । रं पद्मासना श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३८ । लं पद्मवटा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ३९ । वं स्फुरलक्षणिः श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ४० । छं तुश्वावटा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ४१ । वं मौषिनी श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ४२ । सं मौलिनी श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ४३ । ठं मान्या श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ४४ । अं मारदा श्री पादुका पूजयामि नमः ।
 ४५ । छं मानवर्हिनी श्री पादुका पूजयामि नमः ।

वं बाम्बासिकार्ये शूपं कलपयामि ।
 रं अग्न्यासिकार्ये दोपं कलपयामि ।
 वं अमृगासिकार्ये अभूतं विवेद्यामि ।
 सं सर्वासिकार्ये गम्भूलादि समस्तोपचागन् समर्पयामि ।



एकदेणी जपाकर्णपूरानज्ञाखरीस्थना ॥ वामपादोल्लसल्लोहलताकण्ठकभृषणा ॥
 लम्बोष्ठी कर्णिकाकणीतिलाभ्यवत्- वर्धमर्घध्वजा कृष्णा कालरात्रि
 शरीरिणी ॥ भयंकरी ॥

॥ श्री कालगन्त्री श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ॥

श्री कालरात्रि महामन्त्र जप क्रमः

अस्य श्री कालरात्रि महामन्त्रस्य ।
भैरव ऋषिः । अनुष्टुप् छन्दः । श्री चन्द्रघण्टा देवता ।
श्रीं बीजं । ह्रीं शक्तिः । ॐ कीलकं । श्रीं क्लीं दिग्बन्धनं ।
श्री कालरात्रि प्रसाद सिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः ।

कर न्यासः

श्रीं ह्रां अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ।
श्रीं ह्रीं तज्जनीभ्यां नमः ।
श्रीं हूं मध्यमाभ्यां नमः ।
श्रीं हैं अनामिकाभ्यां नमः ।
श्रीं हौं कनिष्ठाभ्यां नमः ।
श्रीं हः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः ।

अङ्ग न्यासः

श्रीं ह्रां हृदयाय नमः ।
श्रीं ह्रीं शिरसे स्वाहा ।
श्रीं हूं शिखायै वषट् ।
श्रीं हैं कवचाय हूं ।
श्रीं हौं नैत्रन्त्रयाय वौषट् ।
श्रीं हः अस्त्राय फट् ।

ॐ भूर्भुवसुवरोँ इति दिग्विमोगः ।

ध्यानम्

नवांवृदाभांमुहिरेन्दुवहिनेन्नांगदांभोजकरांहसन्तीम् ।
पीतांबरांमुक्तकच्छौज्ज्वलाङ्गीं श्रीकालरात्रीहृदयेभजामि ॥

पञ्चपूजा

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्धं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पुष्पाणि कल्पयामि ।
यं वाय्वात्मिकायै धूपं कल्पयामि ।
रं अग्न्यात्मिकायै दीपं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं कल्पयामि ।
सं सर्वात्मिकायै ताम्बूलादि समस्तोपचारान् कल्पयामि ।

मूलं

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट्
स्वाहा ।

अङ्ग न्यासः

श्रीं ह्रां हृदयाय नमः ।
श्रीं ह्रीं शिरसे स्वाहा ।
श्रीं हूं शिखायै वषट् ।
श्रीं हैं कवचाय हूं ।
श्रीं हौं नैत्रन्त्रयाय वौषट् ।
श्रीं हः अस्त्राय फट् ।

ॐ भूर्भुवसुवरोँ इति दिग्विमोगः ।

ध्यानम्

नवांवृदाभांमुहिरेन्दुवहिनेन्नांगदांभोजकरांहसन्तीम् ।
पीतांबरांमुक्तकच्छौज्ज्वलाङ्गीं श्रीकालरात्रीहृदयेभजामि ॥

पञ्चपूजा

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्धं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पुष्पाणि कल्पयामि ।
यं वाय्वात्मिकायै धूपं कल्पयामि ।
रं अग्न्यात्मिकायै दीपं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं कल्पयामि ।
सं सर्वात्मिकायै ताम्बूलादि समस्तोपचारान् कल्पयामि ।

पीठ पूजा

ॐ मण्डूकादि परतत्त्वाय नमः ।

पीठ पूजा

प्रीं पृथिव्यै नमः ।
सौः सुधार्णवाय नमः ।
रां रत्नद्वीपाय नमः ।
क्रीं सौः सरोवराय नमः ।
क्लीं कल्पवनाय नमः ।

पद्मवनाय नमः ।
कल्पवल्ली मूलवेद्यै नमः ।

यं योगपीठाय नमः ।

श्री कालरात्री आवाहनम्

बालाशशाङ्कायुतपूर्णवक्तां त्रिलोचनाम् स्मैसुखीं प्रसन्नां ।
शङ्खाब्जं चापामूतकुम्भहस्ताम् श्री चन्द्रघण्टां हृदये भजामि ॥

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्री ध्यायामि आवाहयामि नमः । - **आवाहन मुद्रां प्रदर्श्य** ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्री स्थापिता भव । - **स्थापण मुद्रां प्रदर्श्य** ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्री सन्निरुद्धो भव । - **सन्निरुद्ध मुद्रां प्रदर्श्य** ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्री समुखी भव । - **सम्मुखी मुद्रां प्रदर्श्य** ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्री अवकुण्ठितो भवा । - **अवकुण्ठन मुद्रां प्रदर्श्य** ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्री श्री पादुकां पूजयामि नमः । - **वन्दन धेनु योनि
मुद्राऽश्च प्रदर्श्य** ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । आसनं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । पादयोः पाद्यं कल्पयामि नमः ।

श्री कालरात्री आवरण पूजा क्रमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । हस्तयोः अर्ध्यं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । मुखे आचमनीयं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । शुद्धोदक स्नानं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । स्नानानन्तरं आचमनीयं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । वस्त्राणि कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । आभरणानि कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । दिव्यपरिमल गन्धं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । गन्धस्योऽपरि हरिद्रा कङ्काम् कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । पृष्ठाक्षतान् कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । धूपं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । दीपं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । नैवेद्यं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । सुगन्ध ताम्बूलं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । कर्पूरं नीराज्जनं कल्पयामि नमः ।

ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं ॐ कालरात्रि क्लीं ऐं सः फट् स्वाहा । श्री
कालरात्रै नमः । प्रदक्षिणं नमस्कारान् कल्पयामि नमः ।

सन्विन्मये परे देवी परामृत रुचि प्रिये ।

अनुज्ञां कालरात्री देहि परिवार्चनायम मे ॥

श्री महागौरी महामन्त्र जप क्रमः

अस्य श्री महागौरी महामन्त्रस्य ।
कालभैरव ऋषिः । अनुष्टुप् छन्दः । श्री महागौरी देवता ।

एं बीजं । सौः शक्तिः । ॐ कीलकं । गूँ दिग्बन्धनं ।

श्री महागौरी प्रसाद सिद्ध्यर्थं जपे विनियोगः ।

कर न्यासः

गं अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ।
गी तज्जनीभ्यां नमः ।
गं मध्यमाभ्यां नमः ।
गीं अनामिकाभ्यां नमः ।
गौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः ।
गः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः ।

अङ्ग न्यासः

गं हृदयाय नमः ।
गी शिरसे स्वाहा ।
गं शिखायै वषट् ।
गीं कवचाय हुं ।
गौं नैन्नन्नयाय वौषट् ।
गः अस्त्राय फट् ।

ॐ भूर्भुवसुवरोऽइति दिग्बन्धः ।

ध्यानम्

उद्यदर्कसमानाभां सितांशुमुकुटांशिवां ।
चतुर्भुजांत्रिनयनां महागौरीभजाम्यहम् ॥

पञ्चपूजा

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्थं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पुष्पाणि कल्पयामि ।
यं वाय्वात्मिकायै धूपं कल्पयामि ।
रं अग्न्यात्मिकायै दीपं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं कल्पयामि ।
सं सर्वात्मिकायै ताम्बूलादि समस्तोपचारान् कल्पयामि ।

मूलः

एं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः ।

अङ्ग न्यासः

गं हृदयाय नमः ।
गी शिरसे स्वाहा ।
गं शिखायै वषट् ।
गीं कवचाय हुं ।
गौं नैन्नन्नयाय वौषट् ।
गः अस्त्राय फट् ।

ॐ भूर्भुवसुवरोऽइति दिग्बन्धमोगः ।

ध्यानम्

उद्यदर्कसमानाभां सितांशुमुकुटांशिवां ।
चतुर्भुजांत्रिनयनां महागौरीभजाम्यहम् ॥

पञ्चपूजा

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्थं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पुष्पाणि कल्पयामि ।
यं वाय्वात्मिकायै धूपं कल्पयामि ।
रं अग्न्यात्मिकायै दीपं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं कल्पयामि ।
सं सर्वात्मिकायै ताम्बूलादि समस्तोपचारान् कल्पयामि ।

पीठ पूजा

ॐ मण्डूकादि परतत्वाय नमः ।

पीठ पूजा

प्री पृथिव्यै नमः ।
सौः सुधार्णवाय नमः ।
रं रलझीपाय नमः ।
कीं सौः सरोवराय नमः ।
कर्लीं कल्पवनाय नमः ।

पद्मवनाय नमः ।
कल्पवल्ली मूलवेद्यै नमः ।

यं योगपीठाय नमः ।

श्री महागौरी आवाहनम्

उद्यदर्कसमानाभां सितांशुमुकुटांशिवां ।
चतुर्भुजांत्रिनयनां महागौरीभजाम्यहम् ॥

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी ध्यायामि आवाहयामि नमः । – **आवाहन मुद्रां प्रदर्शय**

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी स्थापिता भव । – **स्थापण मुद्रां प्रदर्शय**

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी संस्थितो भव । – **संस्थित मुद्रां प्रदर्शय**

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी सन्निरुद्धो भव । – **सन्निरुद्ध मुद्रां प्रदर्शय**

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी सम्मुखी भव । – **सम्मुखी मुद्रां प्रदर्शय**

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी अवकुण्ठितो भव । – **अवकुण्ठन मुद्रां प्रदर्शय**

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी श्री पादुकां पूजयामि नमः । – **वन्दन धेनु योनि मुद्राऽश्च प्रदर्शय**

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः ।
आसनं कल्पयामि नमः ।

श्री महागौरी आवरण पूजा क्रमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । पादयोः पाद्यां कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । हस्तयोः अर्द्धं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । मुख्ये आचमनीयं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । शुद्धोदक स्नानं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । स्नानानन्तरं आचमनीयं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । वस्त्राणि कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । आभरणानि कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । दिव्यपरिमळ गन्धं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । गन्धस्योपरि हरिद्रा कुङ्कुमं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । पुष्पाक्षतान् कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । धूपं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । दीपं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । नैवेद्यं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । सुगन्ध ताम्बूलं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । कर्पूर नीराज्जनं कल्पयामि नमः ।

ऐं सौः ग्रीं गूँ महागौरी नमः । श्री महागौरी नमः । प्रदक्षिण नमस्कारान् कल्पयामि नमः ।

सन्चिन्मये परे देवी परामृत रुचि प्रिये ।

अनुजां महागौरी देहि परिवार्चनायम् मै ॥

तद्वारा तर्पयन्

३० गं हृत्याप नमः । हृत्य देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ३१ गीं शिरसे स्वाहा । शिरो देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ३२ गं शिखार्थे वषट् । शिखा देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ३३ गं लवचाम दुः । लवच देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ३४ गं रेत्रवाय चौषट् । रेत्र देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ३५ ग अस्नाय फट् । अस्न देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

तद्वारा तर्पयन्

ऐ स्त्री श्री गूरु महार्दीर्घ नमः । महार्दीर्घा श्री पदुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः । १० चारम्।

तद्वारा तर्पयन् -

३६ सौः कली एं सर्वशापिष्ठलाय नमः ।

३७ एं इत्याप नमः । इन्द्र श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ३८ अं अभयाज्ञाय नमः । अभराज श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ३९ वं वरणाय नमः । वरुण श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ४० छों कुरुग्रय नमः । कुरुवर श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

४१ एः प्रथमावरण देवता: साक्षः सामुद्राः सशक्तिकः सवाहनाः सपरिवागः
 सर्वोपचारैः सम्मूर्जितः सन्तर्पितः सन्तुष्टाः सन्तु नमः ।

ऐ स्त्री श्री गूरु महार्दीर्घ नमः । महार्दीर्घा श्री पदुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः । ३ चारम्।

४२ अशीषसिङ्किं मे देष्टि ज्ञाणागत बत्सले ।
 अकल्या समर्पये तुझ्यं प्रथमावरणार्चनम् ॥

अपेन प्रथमावरणार्चनैन श्री महागोर्मन्मा प्रीयथाम् ।

तद्वारा तर्पयन् -

४३ मञ्जलश्मी नमः । महालश्मी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ४४ मांडेश्वरी नमः । मांडेश्वरी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ४५ मञ्जुचण्डार्थे नमः । मञ्जुचण्डा श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ४६ मञ्जुधीमार्थे नमः । मञ्जुधीमा श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ४७ मञ्जुमत्ता नमः । मञ्जुमत्ता श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ४८ मञ्जुतर्पी नमः । मञ्जुतर्पी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ४९ मञ्जुतिवार्थे नमः । मञ्जुतिवा श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ५० मञ्जुषिवार्थे नमः । मञ्जुषिवा श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

५१ एः द्वितीयावरण देवता: साक्षः सामुद्राः सशक्तिकः सवाहनाः सपरिवागः
 सर्वोपचारैः सम्मूर्जितः सन्तर्पितः सन्तुष्टाः सन्तु नमः ।

ऐ स्त्री श्री गूरु महार्दीर्घ नमः । महार्दीर्घा श्री पदुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः । ३ चारम्।

अशीषसिङ्किं मे देष्टि ज्ञाणागत बत्सले ।
 अकल्या समर्पये तुझ्यं द्वितीयावरणार्चनम् ॥

अपेन द्वितीयावरणार्चनैन श्री महागोर्मन्मा प्रीयथाम् ।

तद्वारा तर्पयन् -

५२ सर्वसंगोहनाय नमः ।
 ५३ गं हृत्याप नमः । हृत्य देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ५४ गीं शिरसे स्वाहा । शिरो देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

५५ गं शिखार्थे वषट् । शिखा देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ५६ गं लवचाम हुः । लवच देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ५७ गं रेत्रवाय चौषट् । रेत्र देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ५८ गं अस्नाय फट् । अस्न देवी श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

एता: दुर्गायावरण देवता: साक्षः सामुद्राः सशक्तिकः सवाहनाः सपरिवागः
 सर्वोपचारैः सम्मूर्जितः सन्तर्पितः सन्तुष्टाः सन्तु नमः ।

ऐ स्त्री श्री गूरु महार्दीर्घ नमः । महार्दीर्घा श्री पदुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः । ३ चारम्।

अशीषसिङ्किं मे देष्टि ज्ञाणागत बत्सले ।
 अकल्या समर्पये तुझ्यं तृतीयावरणार्चनम् ॥

अपेन तृतीयावरणार्चनैन श्री महागोर्मन्मा प्रीयथाम् ।

तद्वारा तर्पयन् -

५९ गं गजार्थे नमः । गजा श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ६० वं वसुनार्थे नमः । वसुना श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।
 ६१ सौः सरस्वती श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

एता: तुरियावरण देवता: साक्षः सामुद्राः सशक्तिकः सवाहनाः सपरिवागः
 सर्वोपचारैः सम्मूर्जितः सन्तर्पितः सन्तुष्टाः सन्तु नमः ।

ऐ स्त्री श्री गूरु महार्दीर्घ नमः । महार्दीर्घा श्री पदुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः । ३ चारम्।

अशीषसिङ्किं मे देष्टि ज्ञाणागत बत्सले ।
 अकल्या समर्पये तुझ्यं तुरियावरणार्चनम् ॥

अपेन तुरियावरणार्चनैन श्री महागोर्मन्मा प्रीयथाम् ।

तद्वारा तर्पयन् -

६२ सौः श्री गूरु महार्दीर्घ नमः । महार्दीर्घा श्री पदुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

६३ श्री रमः शिवाय - साम्बालिक श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

६४ छुं दुः छुं दुः वत्तिष्ठुर्लिङ्गे इं स्वपिष्ठि ध्यं मे समुपसिष्ठतं यदिश्वकमशक्यम्
 वा तन्मेश्वरवति शामय स्वाहा दुः छुं ३० । बन्दुर्गाम्ना श्री
 पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

६५ लूँ वं बद बद नीं हुः फट् - श्री धैरव श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ।

एता: पञ्चमावरण देवता: साक्षः सामुद्राः सशक्तिकः सवाहनाः सपरिवागः
 सर्वोपचारैः सम्मूर्जितः सन्तर्पितः सन्तुष्टाः सन्तु नमः ।

ऐ स्त्री श्री गूरु महार्दीर्घ नमः । महार्दीर्घा श्री पदुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः । ३ चारम्।

अशीषसिङ्किं मे देष्टि ज्ञाणागत बत्सले ।
 अकल्या समर्पये तुझ्यं पञ्चमावरणार्चनम् ॥

अपेन पञ्चमावरणार्चनैन श्री महागोर्मन्मा प्रीयथाम् ।

तद्वारा तर्पयन् -

६६ पञ्चिन्यासिकार्थे गञ्चं कल्पयामि ।
 ६७ आकाशालिपिकार्थे पूज्याणि पूज्यामि ।
 ६८ वं वाम्बालिपिकार्थे धूपं कल्पयामि ।
 ६९ अश्वतालिपिकार्थे अभूतं महानैवतं कल्पयामि ।
 ७० सर्वालिपिकार्थे गम्भूलादि समस्तोपचारन् कल्पयामि ।



**सिद्धगन्धवियक्षाधैरसुरैरमरेपि ।
 सेव्यमानासदाभ्युत्सिद्धिदासिद्धिदायिनी॥**

॥ श्री सिद्धिदात्री श्री पादुकां पूज्यामि तर्पयामि नमः ॥

श्री सिद्धिदात्री महामन्त्र जप क्रमः

अस्य श्री सिद्धिदात्री (देवहूति) महामन्त्रस्य ।
भैरव ऋषिः । अनुष्टुप् छन्दः । श्री सिद्धिदात्री देवता ।
कलीं बीजं । सः शक्तिः । श्री कीलकं । श्री दिग्बन्धनं ।
श्री सिद्धिदात्री प्रसाद सिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः ।

कर न्यासः

कलां अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ।
कलीं तज्जीभ्यां नमः ।
कलां मध्यमाभ्यां नमः ।
कलै अनामिकाभ्यां नमः ।
कलौ कनिष्ठिभ्यां नमः ।
कलः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः ।

अङ्ग न्यासः

कलां हृदयाय नमः ।
कलीं शिरसे स्वाहा ।
कलै शिखायै वैषट् ।
कलौ कवचाय हूँ ।
कलौ नेत्रनयाय वैषट् ।
कलः अस्त्राय फट् ।
अँ भूर्भुवसुवरों इति दिग्बिमोगः ।

ध्यानम्

शशाङ्कविम्बद्युतिमुत्कलाक्षी
प्रतपत्वामीकरणात्रयष्टिम् ।
सितांबरं प्रेतगतांत्रिनेत्रा
श्रीदेवहूतिं द्विभुजां भजेऽहम् ॥

पञ्चपूजा

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्थं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पुष्पाणि कल्पयामि ।
यं वाय्वात्मिकायै धूपं कल्पयामि ।
रं अग्न्यात्मिकायै दीपं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं कल्पयामि ।
सं सर्वात्मिकायै ताम्बूलादि समस्तोपचारान् कल्पयामि ।

मूलं

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री (देवहूति) श्री फट्
ठः ठः स्वाहा ।

अङ्ग न्यासः

कलां हृदयाय नमः ।
कलीं शिरसे स्वाहा ।
कलै शिखायै वैषट् ।
कलौ कवचाय हूँ ।
कलौ नेत्रनयाय वैषट् ।
कलः अस्त्राय फट् ।
अँ भूर्भुवसुवरों इति दिग्बिमोगः ।

ध्यानम्

शशाङ्कविम्बद्युतिमुत्कलाक्षी
प्रतपत्वामीकरणात्रयष्टिम् ।
सितांबरं प्रेतगतांत्रिनेत्रा
श्रीदेवहूतिं द्विभुजां भजेऽहम् ॥

पञ्चपूजा

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्थं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पुष्पाणि कल्पयामि ।
यं वाय्वात्मिकायै धूपं कल्पयामि ।
रं अग्न्यात्मिकायै दीपं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं कल्पयामि ।
सं सर्वात्मिकायै ताम्बूलादि समस्तोपचारान् कल्पयामि ।

श्री सिद्धिदात्री आवरण पूजा क्रमः ।

पीठ पूजा

अँ मण्डूकादि परस्तन्वाय नमः ।

पीठ पूजा

प्री पृथिव्यै नमः
सौः सुधार्णवाय नमः
रं रलझीपाय नमः
क्रीं सौः सरोवराय नमः
कलीं कल्पवनाय नमः

पद्मवनाय नमः
कल्पवल्ली मूलवेद्यै नमः

यं योगपीठाय नमः

श्री सिद्धिदात्री आवाहनम्

शशाङ्कविम्बद्युतिमुत्कलाक्षी
प्रतपत्वामीकरणात्रयष्टिम् ।
सितांबरं प्रेतगतांत्रिनेत्रा
श्रीदेवहूतिं द्विभुजां भजेऽहम् ॥

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा ।
श्री सिद्धिदात्री ध्यायामि आवाहयामि नमः । – आवाहन मुद्रां प्रदर्शय ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा ।
श्री सिद्धिदात्री स्थापिता भव । – स्थापण मुद्रां प्रदर्शय ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा ।
श्री सिद्धिदात्री संस्थितो भव । – संस्थित मुद्रां प्रदर्शय ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा ।
श्री सिद्धिदात्री सन्निरुद्धो भव । – सन्निरुद्ध मुद्रां प्रदर्शय ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा ।
श्री सिद्धिदात्री सम्मुखी भव । – सम्मुखी मुद्रां प्रदर्शय ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा ।
श्री सिद्धिदात्री अवकुण्ठितो भवा – अवकुण्ठन मुद्रां प्रदर्शय ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा ।
श्री सिद्धिदात्री श्री पाटुका पूजयामि नमः । – वन्दन धेनु योनि मुद्राश्च प्रदर्शय ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । आसनं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । पादयोः पाद्यं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । हस्तयोः अर्धं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । मुखे आचमनीयं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । शुद्धोदक स्नानं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । स्नानानन्तरं आचमनीयं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । वस्त्राणि कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । आभरणानि कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । दिव्यपरिमळ गच्छं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । गन्धस्योपरि हरिदा कुड़मं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । पुष्पाक्षतानं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । घूं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । दीपं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । नैवेद्यं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । संगच्छ ताम्बूलं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । कर्पूर नीराजनं कल्पयामि नमः ।

अँ एँ कलीं सौः श्री ह्रीं सिद्धिदात्री श्री फट् ठः ठः स्वाहा
श्री सिद्धिदात्री नमः । प्रदक्षिण नमस्कारान् कल्पयामि नमः ।

सन्निम्बये परे देवी परामृत रुचि प्रिये ।
अनुजां स्कन्दमातरं देहि परिवार्चनायम् मै ॥

शङ्कु तर्पणम्

३० कला हृदयाय नमः । हृदय देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली शिरसे स्वाहा । शिरो देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली शिखायै वषट् । शिखा देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली कवचाय दुः । कवच देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली नैत्रवयाय वौषट् । नैत्र देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली कवच देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली नैत्रवयाय वौषट् । नैत्र देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली अस्त्राय फट् । अस्त्र देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।

लयाङ्ग तर्पणम्

३० ऐं कली सौः श्री हीं सिद्धिदात्रि श्री फट् ठः ठः ठः स्वाहा । श्री सिद्धिदात्र्यम्बा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः । (१० वारम्)

प्रथमावरणम् -

३० सौः कली ऐं सर्वशापरिपूरकाय नमः ।
३० ऐं इन्द्राय नमः । इन्द्र श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० धर्मराजाय नमः । धर्मराज श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० वरुणाय नमः । वरुण श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० ऋं कुबेराय नमः । कुबेर श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० एता: प्रथमावरण देवता: साङ्घा: सायुधा: सशक्तिका: सवाहना: सपरिवारा: सर्वोपचारैः सम्पूजिता: सन्तर्पिता: सन्तुष्टा: सन्तु नमः ।

३० ऐं कली सौः श्री हीं सिद्धिदात्रि श्री फट् ठः ठः ठः स्वाहा । श्री सिद्धिदात्र्यम्बा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः । (३ वारम्)

अभीष्टसिद्धि मैं देहि शरणागत वत्सले ।
भक्त्या समर्पये तु भूयं प्रथमावरणार्चनम् ॥

अनेन प्रथमावरणार्चनेन श्री सिद्धिदात्र्यम्बा प्रीयथाम् ।

द्वितीयावरणम् -

३० देवमात्रे नमः । देवमाता श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० देवीप्रियायै नमः । देवीप्रिया श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० देवहूत्यै नमः । देवहूती श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० गणेश्वर्यै नमः । गणेश्वरी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० दाक्षायण्यै नमः । दाक्षायणी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० दुर्लभायै नमः । दुर्लभा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० दुःखहारिण्यै नमः । दुःखहारिणी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० दुर्गातिशारिण्यै नमः । दुर्गातिशारिणी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० एता: द्वितीयावरण देवता: साङ्घा: सायुधा: सशक्तिका: सवाहना: सपरिवारा: सर्वोपचारैः सम्पूजिता: सन्तर्पिता: सन्तुष्टा: सन्तु नमः ।

३० ऐं कली सौः श्री हीं सिद्धिदात्रि श्री फट् ठः ठः ठः स्वाहा । श्री सिद्धिदात्र्यम्बा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः । (३ वारम्)

अभीष्टसिद्धि मैं देहि शरणागत वत्सले ।
भक्त्या समर्पये तु भूयं द्वितीयावरणार्चनम् ॥

अनेन द्वितीयावरणार्चनेन श्री सिद्धिदात्र्यम्बा प्रीयथाम् ।

तृतीयावरणम् -

३० सर्वसंगोहनाय नमः ।
३० कला हृदयाय नमः । हृदय देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली शिरसे स्वाहा । शिरो देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।

३० कली शिखायै वषट् । शिखा देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली कवचाय हुं । कवच देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली नैत्रवयाय वौषट् । नैत्र देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली कवच देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली नैत्रवयाय वौषट् । नैत्र देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० कली अस्त्राय फट् । अस्त्र देवी श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।

३० ऐं कली सौः श्री हीं सिद्धिदात्रि श्री फट् ठः ठः ठः स्वाहा । श्री सिद्धिदात्र्यम्बा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः । (३ वारम्)

अभीष्टसिद्धि मैं देहि शरणागत वत्सले ।
भक्त्या समर्पये तु भूयं तृतीयावरणार्चणम् ॥

अनेन तृतीयावरणार्चनेन श्री सिद्धिदात्र्यम्बा प्रीयथाम् ।

तुरियावरणम् -

३० गं गङ्गायै नमः । गङ्गा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० यं यमुनायै नमः । यमुना श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० सौः सरस्वत्यै नमः । सरस्वती श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।

३० एता: तुरियावरण देवता: साङ्घा: सायुधा: सशक्तिका: सवाहना: सपरिवारा: सर्वोपचारैः सम्पूजिता: सन्तर्पिता: सन्तुष्टा: सन्तु नमः ।

३० ऐं कली सौः श्री हीं सिद्धिदात्रि श्री फट् ठः ठः ठः स्वाहा । श्री सिद्धिदात्र्यम्बा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः । (३ वारम्)

अभीष्टसिद्धि मैं देहि शरणागत वत्सले ।
भक्त्या समर्पये तु भूयं तुरियावरणार्चणम् ॥

अनेन तुरियावरणार्चनेन श्री सिद्धिदात्र्यम्बा प्रीयथाम् ।

पञ्चमावरणम् -

३० ऐं कली सौः श्री हीं सिद्धिदात्रि श्री फट् ठः ठः ठः स्वाहा । - सिद्धिदात्रि दुर्गा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः । । ।

३० हीं नमः शिवाय - साम्बशिव श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० हीं दुः हीं दुः उत्तिष्ठुरुषि किं स्वपिषि भयं मै समुपस्थितं यदिश्ववमशक्यं वा तमेभगवति शमय स्वाहा दुः हीं ३० । नवदुर्गाध्यो नमः । वनदुर्गम्बा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।

३० वृं वं वद वद त्रीं हुं फट् - श्री भैरव श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः ।
३० एता: पञ्चमावरण देवता: साङ्घा: सायुधा: सशक्तिका: सवाहना: सपरिवारा: सर्वोपचारैः सम्पूजिता: सन्तर्पिता: सन्तुष्टा: सन्तु नमः ।

३० ऐं कली सौः श्री हीं सिद्धिदात्रि श्री फट् ठः ठः ठः स्वाहा । श्री सिद्धिदात्र्यम्बा श्री पादुका पूजयामि तर्पयामि नमः । (३ वारम्)

अभीष्टसिद्धि मैं देहि शरणागत वत्सले ।
भक्त्या समर्पये तु भूयं पञ्चमावरणार्चणम् ॥

अनेन पञ्चमावरणार्चनेन श्री सिद्धिदात्र्यम्बा प्रीयथाम् ।

पञ्चपूजा -

लं पृथिव्यात्मिकायै गन्धं कल्पयामि ।
हं आकाशात्मिकायै पृष्ठाणि पूजयामि ।
यं वाय्यात्मिकायै धर्मं कल्पयामि ।
रं अन्यात्मिकायै दीर्घं कल्पयामि ।
वं अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेवं कल्पयामि ।
सं स्वात्मिकायै ताम्बूलादि समस्तोपचारान् कल्पयामि ।

INDEX OF TOPICS BY ISSUE**P1D1**

Guru AvaraNam
Guru pUjA vidhi
Guru yantram
Paramadvaita Guru AshtOttaram
PratyakSha Guru varaNam
Rama mantra japam
sItA mantra japam
rAma sundarI mantra japam
Rama dashAvaraNa pUjA
rAma ashtOttaram

P1D2

parashurAma caritam
parashurAma mantra japa
parashurAma navAvaraNa pUjA
parashurAma sahasranAmam
Adi shankara mantra japa
Adi shankra ashtOttaram
subrahmanya mantra japa
subrahmanya saguna AvaraNam
kumArOpaniShad

P1D3

mahAkAla AvaraNam
vasantaRutu AvaraNam
mahArudra mantra japa
mahArudra AvaraNam

P1D4

gRishmarutu AvaraNam
vyAsa caritam
vyAsa mantra japa
vyAsa AvaraNa pUjA
vyAsa ashTottaram

P1D5

shri cakrE lakShmi pUjA vidhAnam
varShi Rutu AvaraNam
gAyatri mantra japa
gAyatri AvaraNa pUjA
gAyatri ashTottaram
gOpAla sundari mantra japa
gOpAla sundari AvaraNa pUjA

P1D6

mahAgaNpati caturAvarti tarpaNa - anya prakAra
gaNesha nyAsa
gaNpati mudrA
gaNpati tAlam
laghu vAncakalpalatA kramA
gaNpati AvaraNa pUjA

P1D7

sharad Ruru AvaraNam
navAkShari mantra japa
caNDi AvaraNa pUjA
caNDi trishati arcanA
The asurAs of dEvi mahAtmyam

P1D8

gangA mantra japA
gangA AvaraNa pUjA
gangA sahasranAmam
kubEra mantra japA
kubEra AvaraNa pUjA
mahAlakShmi mantra japA
mahAlakShmi AvaraNa pUjA
subrahmanya pancadasAkShari mantra japA
subrahmanya shatru samhAra trishati

dIp Avali tatvam**P1D9**

hEmanta Rutu AvaraNam
cidambara pancAkShari mantra japA
natarAja AvaraNa pUjA
natarAja - a shAkta's perspective
nandikEshvara kAshikA
padanjali kRuta natarAja stOtram
mahAshAstA mantra japA
mahAshAstA AvaraNa pUjA
shAstA and srividhyA

P1D10

sUrya namaskAra mantra
sUrya mantra japA
mArtAnDA bhairava mantra japA
mArtANDa bhairava AvaraNa pUjA
sUrya ashtOttara shatanAma stOtram
sUrya sahasranAmam
navagraha mantra
nArAyaNa ashtAkShari mantra japA
nArAyaNa AvaraNa pUjA
viShNu ashtOttara shatanama stOtram
hanuman mantra japA
AnjanEya AvaraNa pUjA
AnjanEya ashtOttara shatanAma stOtram
AnjanEya sahasraNamam

shUlini mantra japA
shUlini AvaraNa pUjA
shUlini ashtOttaram
atharvaNa bhadrakAli mantra japA
pratyangirA AvaraNa pUjA

P2D2
naimittika prakaraNam - vaishAkha
dakShiNa kAli mantrA
dakShiNa kAli AvaraNa pUjA
karpUrAdi stOtram
dakShiNa kAli shatanAma stOtram
dakShiNa kAli kakArAdi sahasranAmam

P2D3
naimittika prakaraNam - jyeshTA
tArA mantra
tArA AvaraNa pUjA
tArA shatanAma stOtram

P2D4
naimittika prakaraNam - AshADA
shODashi mantrA
shODashi AvaraNa pUjA - with gAyatrI
kAmEshvari kAmEshvara shatanAma stOtram
nAbhi vidhyA

P2D5
naimittika prakaraNam - shravaNa
bhvanEshvari mantra
bhuvanEshvari AvaraNa pUjA
bhuvanEshvari shatanAma stOtram

P2D6
naimittika prakaraNam - bhAdrapAda
chinnamastA mantra
chinnamastA AvaraNa pUjA
chinnamastA shatanAma stOtram

P2D7
naimittika prakaraNam - ashvini
tripurA bhairavi mantra
tripurA bhairavi AvaraNa pUjA
tripurA bhairavi shatanAma stOtram

P2D8
naimittika prakaraNam - kArtikA
dhUmAvati mantra
dhUmAvati AvaraNa pUjA
dhUmAvati shatanAma stOtram

P2D9
naimittika prakaraNam - mArgashIrsha
bagalA mantra
bagalA AvaraNa pUjA
bagalA shatanAma stOtram

P2D10
naimittika prakaraNam - paUshya
mAtangi mantra
mAtangi AvaraNa pUjA
mAtangi shatanAma stOtram

P2D11
naimittika prakaraNam - mAgha
kamalA mantra
kamalA AvaraNa pUjA
kamalA shatanAma stOtram

P2D12

naimittika prakaraNam - phAlgunA
vanadurgA mantra
vanadurgA AvaraNa pUjA
vanadurgA shatanAma stOtram

P3D1

dashamAtrukA nyAsA
bhUtalipi nyAsA
kAmarati nyAsA

P3D2

praNavA mantra japA
praNavA ashtOttarashatanAma stOtram
tripurA nyAsA
mAlini nyAsA
yOgapITA nyAsA
shricakra nyAsA

P3D3

laghu vArAhi mantra japA
laghu vArAhi AvaraNa pUjA
svapna vArAhi mantra japA
svapna vArAhi AvaraNa pUjA
tiraskarini mantra japA
tiraskarini AvaraNa pUjA

P3D4

mahAvArAhi mantra japA
mahAvArAhi AvaraNa pUjA
haMsOpaniShat

P3D5

jAbAlOpaniShat
ShadakShara mantra japA
ShadakShara AvaraNa pUjA

P3D6

Anandaguru ashTakam
bhadraputra And bAlAmbA

P3D7

sarva mantra yantra utkIlana
nAn Avidha gaNapatI mantraH

P3D8

navAkShari mantra uddhAra
kanyA pUjA vidhi
The eight pAshAs
ashvArUdhA mantra japA
navadurgA mantra japA

P3D9

lakShmi gaNesha mantra japA
lakShmi gaNesha AvaraNa pUjA
dlpAvali - True meaning

P3D10

panchaphushpAnjali mantra
pancikarana pushpAnjali mantra
varuNa mantra japA
varuNa AvaraNa pUjA

P3D11

rAjA mAtnGI AvaraNa pUjA kramA

P3D12

laghu shyAmA mantra japA
laghu shyAmA AvaraNa pUjA
vAgvAdinI mantra japA
vAgvAdinI AvaraNa pUjA

nakulI mantra japA
nakulI AvaraNa pUjA

P4D1
pancavaktra pUjA

bAlA tripurasundarI mantra japA
bAlA tripurasundarI AvaraNa pUjA
bAlA ashtOttarashatanAma shlOKA
bAlA bIjamantratmaka shlOKA
shishyAnusAsanam

P4D3
vallabhOpaniShat
shishyAnusAsanam

P4D4
vallabhOpaniShat
shishyAnusAsanam

P4D5
vallabhOpaniShat
shishyAnusAsanam

P4D6
sarvatObhadra krama
vallabhOpaniShat
brUhAspati mantra japA
bruhAspati AvaraNa pUjA

P4D7
cintAmani sarasvati mantra japA
cintAmani sarasvati AvaraNa pUjA
sarasvati shatanAma stOtram
mahishamardhini mantra japA
mahishamardhini AvaraNa pUjA

P4D8
gaNapatI manDala kramA
vAnCakalpalathA vidhAnam
shUlini vishvarUpa stuti
rudracaNdi traIlOkya mangala kavacam

P4D9
matsyAvatAra mantra kramA
matsyAvatAra AvaraNa pUjA
matsyAvatAra ashtOttarashatanAma stOtram
kUrmAvatAra mantra kramA
kUrmAvatAra AvaraNa pUjA
kUrmAvatAra ashtOttarashatanAma stOtram
varAhAvatAra mantra kramA
varahAvatAra AvaraNa pUjA
varahAvatAra ashtOttarashatanAma stOtram
nRusimhAvatAra mantra kramA
nRusimhAvatAra AvaraNa pUjA
nRusimhAvatAra ashtOttarashatanAma stOtram

P4D10
vAmanAvatAra mantra kramA
vAmanAvatAra AvaraNa pUjA
vAmanAvatAra ashtOttarashatanAma stOtram
parashurAmAvatAra mantra kramA
parashurAmAvatAra AvaraNa pUjA
parashurAmAvatAra ashtOttarashatanAma stOtram
rAmAvatAra mantra kramA
rAmAvatAra AvaraNa pUjA
rAmAvatAra ashtOttarashatanAma stOtram

P4D11
balarAmAvatAra mantra kramA
balarAmAvatAra AvaraNa pUjA
balarAmAvatAra ashtOttarashatanAma stOtram

kRuShNAvatAra mantra kramA
kRuShNAvatAra AvaraNa pUjA
kRuShNAvatAra ashtOttarashatanAma stOtram
kalkyavatAra mantra kramA
kalkyavatAra AvaraNa pUjA
kalkyavatAra ashtOttarashatanAma stOtram

P4D12
brAhmi mAtru mantra kramA
brAhmi mAtru AvaraNa pUjA
brAhmi mAtru ashtOttarashatanAma stOtram
mAhEshvari mAtru mantra kramA
mAhEshvari mAtru AvaraNa pUjA
mAhEshvari mAtru ashtOttarashatanAma stOtram

P5D1
kaumAri mAtru mantra kramA
kaumAri mAtru AvaraNa pUjA
kaumAri mAtru ashtOttarashatanAma Avali
vaiShNavi mAtru mantra kramA
vaiShNavi mAtru AvaraNa pUjA

P5D2
vArAhi mAtru mantra kramA
vArAhi mAtru AvaraNa pUjA
vArAhi mAtru ashtOttarashatanAma Avali
indrANI mAtru mantra kramA
indrANI mAtru AvaraNa pUjA
indrANI mAtru ashtOttarashatanAmastOtram

P5D3
cAmunda mantra kramA
cAmunda mAtru AvaraNa pUjA
vcAmunda mAtru ashtOttarashatanAma Avali
nArasimhi mAtru mantra kramA
nArasimhi mAtru AvaraNa pUjA

P5D4
kAmEshvarI nithyA mantra kramA
kAmEshvarI nithyA AvaraNa pUjA
bhagamAlini nithyA japA kramA
bhagamAlini nithyA AvaraNa pUjA
shrIkra praShThApana vidhi

P5D5
nityaklinnA nithyA mantra kramA
nityaklinnA nithyA AvaraNa pUjA
bhEruNDA nithyA japA kramA
bhEruNDA nithyA AvaraNa pUjA
rAdhAmbA mantra kramA
rAdhAmbA AvaraNa pUjA
rAdhAkRuShNa mantra kramA
rAdhAkRuShNa AvaraNa pUjA

P5D6
vahnivAsinI nithyA mantra kramA
vahnivAsinI nithyA AvaraNa pUjA
vajrEshvarI nithyA japA kramA
vajrEshvarI nithyA AvaraNa pUjA
shailaputri durgA mantra kramA
shailaputri durgA AvaraNa pUjA
brahmachiNI durgA japA kramA
brahmachiNI durgA AvaraNa pUjA

ஸ்ரீ
shradUTIn thyā japa kramā
shradUTIn thyā Avarampa pUjā²
varāmā n thyā japa kramā
varāmā n thyā Avarampa pUjā
candaG hanITA durgā japa kramā
candaG hanITA durgā Avarampa pUjā
KUShmaNDā durgā japa kramā
KUShmaNDā durgā Avarampa pUjā
skandamātā durgā japa kramā
skandamātā durgā Avarampa pUjā
kātyayani durgā japa kramā
kātyayani durgā Avarampa pUjā

| | | |
|-----------|-----------------------|-------------|
| எண்ணா | யிரத்தாண்டு யோகம் | இருக்கினும் |
| கண்ணார் | அழுதினைக் கண்டறி | வாரில்லை |
| உண்ணாடிக் | பூள்ளே ஒளியுற | நோக்கினால் |
| கண்ணாடி | போலக் கலந்துநின் நானே | |

- திருமந்திரம் 603



Eight thousand years of yOgA dear
Might not take you to Almighty near
Light you seek within you clear
Right like mirror you merge full gear

© Purnanandalahari.org